होरा- ४५ **वेद/कर्मकाण्ड/अर्चक** पूर्णाङ्क-१००, उत्तीर्णाङ्क-३६

त्रैमासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

प्रथम खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
पवित्रीकरण,आचमन,पवित्रीधारण, तिलकधारण, शिखाबन्धन, यज्ञोपवीत पूजन, धारण एवं विसर्जन विधि,प्राणायाम, स्वस्तिवाचन, सङ्कल्प,	पवित्र होने की विधि, तथा मन्त्र,आचमन के नियम तथा मन्त्र, पवित्री निर्माण विधि, पवित्री के प्रकार, पवित्रीधारण के महत्व तथा मन्त्र, तिलक के प्रकार, तिलकधारण के महत्व तथा मन्त्र, शिखा केप्रकार, शिखाबन्धन के महत्व तथा मन्त्र, प्राणायाम के प्रकार, प्राणायाम के महत्व तथा मन्त्र, स्वस्तिवाचन (वैदिक एवं लौकिक) का तात्पर्य तथा मन्त्र, सङ्कल्प का उद्देश्य तथा विधि	३
कर्मपात्र निर्माण विधिदीपस्थापन पूजन	कर्मपात्र निर्माण की आवश्यता, दीपक का महत्व एवं पूजन विधान	१
ऋगादि चतुर्वेद संहिताओं के स्वर एवं उच्चारण विधि	ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद, कृष्णयजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद का परिचय तथा उनके मन्त्रों के स्वरोच्चारण का विधान	४
ऋग्वेद एवं यजुर्वेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य विषय	ऋग्वेद, शुक्लयजुर्वेद तथा कृष्णयजुर्वेद के ब्राह्मण ग्रन्थों के नाम तथा उनकी विषय वस्तु का प्रतिपादन	३

द्वितीय खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
षोडशोपचार पूजन	ध्यान, आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, स्नान, वस्त्रोपवस्त्र, यज्ञोपवीत, गन्ध, अक्षत, पुष्प, दूर्वा, बिल्वपत्र, नानापरिमल, सिन्दूर, इत्र धूप, दीप, नैवेद्य, उद्वर्तन, ऋतुफल, ताम्बूल, दक्षिणा, आरती, मन्त्रपुष्पाञ्जलि, विशेषार्घ्य, प्रार्थना	४
संकटनाशन स्तोत्र,गणेशाथर्वशीर्ष, श्रीसूक्त, गणपति स्तोत्र	स्तोत्रों का उच्चारण तथा उनका माहात्म्य	२
कलश पूजन, पुण्याहवाचन	कलश का महत्व, स्वरूप तथा षोडशोपचार पूजन विधान, पुण्याहवाचन की आवश्यकता तथा विधान	३
सामवेद एवं अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य विषय	सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय ब्राह्मण ग्रन्थों के नाम तथा विषय वस्तु का प्रतिपादन	२

तृतीय खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
रुद्राष्टाध्यायी-प्रथम, द्वितीय अध्याय	रुद्राष्टाध्यायी के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय का शुद्ध उच्चारण के साथ कण्ठस्थीकरण	२
दुर्गासप्तशती कवच, अर्गला तथा कीलक	दुर्गासप्तशती के कवच, अर्गला तथा कीलक स्तोत्रों का शुद्ध उच्चारण के साथ पाठाभ्यास तथा उसके भावार्थ का ज्ञान	२
शिवमानस पूजन, द्वादश ज्योतिर्लिंग, रुद्राष्टकम् तथा शिवपञ्चाक्षर स्तोत्र	स्तोत्रों का उच्चारण, कण्ठस्थाकरण तथा उनका माहात्म्य	२
वेदाङ्ग परिचय	शिक्षा, व्याकरण, ज्योतिष, निरुक्त, छन्द तथा कल्प वेदाङ्गों का परिचय	५

चतुर्थ खण्ड

विषय	पाठ्यांश	कालांश
प्रथम खण्ड की प्रयोग विधि	पवित्रीकरण से कर्मपात्र निर्माण पर्यंत की प्रयोग विधि	२
द्वितीय पत्र की प्रयोग विधि	षोडशोपचार पूजन एवं पुण्याहवाचन प्रयोग विधि	४
तृतीय पत्र की प्रयोग विधि	रुद्राष्टाध्यायी के प्रथम एवं द्वितीय अध्याय तथा दुर्गासप्तशती के कवच, अर्गला, कीलक स्तोत्रों की प्रयोग विधि	३
तृतीय पत्र की प्रयोग विधि	विविध श्लोकों की पाठविधि	२